भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2481
10 दिसंबर, 2024 को उत्तर के लिए

असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ में मत्स्य क्षेत्र का विकास

2481. श्री अमरसिंग टिस्सो:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में स्थानीय मत्स्य संसाधनों में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;
(ख) क्या स्थानीय मछुआरों को मछली पकड़ने की उनकी तकनीक में सुधार करने और उपज बढ़ाने के लिए विशेष सहायता प्रदान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त क्षेत्रों में सतत् जलकृषि को बढ़ावा देने पर केन्द्रित विशिष्ट कार्यक्रम हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ): प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई), असम सहित सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मात्स्यिकी और जलीय कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्यान्वित की जा रही एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, पोस्ट-हार्वेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं मैनेजमेंट, वैल्यू चैन का आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण, पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान में कमी, ट्रेसेबिलिटी आदि में महत्वपूर्ण कमियों (गैप्स) को दूर करना है। असम में मात्स्यिकी और जलीय कृषि के विकास के लिए, पीएमएमएसवाई के अंतर्गत विगत 4 वर्षों और वर्तमान वित्त वर्ष यानी 2024-25 के दौरान 296.82 करोड़ रुपए के केंद्रीय अंश के साथ 539.63 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

जैसा कि असम सरकार द्वारा सूचित किया गया है, असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ दोनों जिलों में मात्स्यिकी और जलीय कृषि के विकास के लिए की गई गतिविधियों में नए तालाबों का निर्माण, मौजूदा सामुदायिक तालाबों का रेनोवेशन, मछुआरों को कास्ट नेट, ड्रैग नेट, नाव उपलब्ध कराना, मत्स्यन पर प्रतिबंध अवधि के दौरान आजीविका और पोषण संबंधी सहायता आदि शामिल हैं। इसके अलावा, स्थानीय मछुआरों द्वारा उपयोग की जाने वाली मत्स्यन तकनीक को बढ़ाने और उनकी उपज बढ़ाने के लिए, इन जिलों में स्थायी (सस्टेनेबल) मत्स्यन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक तरीके से मत्स्यपालन करने और सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं पर प्रशिक्षण, जागरूकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

दीमा हसाओ जिले के स्थानीय मात्स्यिकी संसाधनों के विकास के लिए, नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनोमस काउंसिल (एनसीएचएसी) ने मात्स्यिकी विकास और मात्स्यिकी संसाधनों के सुधार के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दे दी है।

****